डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

श्रद्धांजलि

हिंदी की प्रख्यात लेखिका और विदुषी कृष्णा सोबती का जन्म 18 फ़रवरी, 1925 को पाकिस्तान के गुजरात प्रांत में हुआ था। कृष्णा सोबती ने पचास के दशक से ही अपना लेखन कार्य प्रारंभ कर दिया था। आपकी पहली कहानी 'लामा' थी, जो 1950 में प्रकाशित हुई थी।

भारतीय साहित्य में आपकी प्रतिष्ठा साफ–सुधरी रचनात्मकता और अप्रतिम अभिव्यक्ति के लिए रही है। आपने हिंदी की कथा–भाषा को अपनी विलक्षण प्रतिभा से ताज़गी और स्फूर्ति प्रदान की। आपकी रचना में आख्यान का तत्त्व प्रधानता से मौजूद रहा है और हिंदी तथा उर्दू का हिंदुस्तानी संस्कार आपकी भाषा और कहन के अंदाज़ को अनुपम बना देता है। कृष्णा सोबती उन उपन्यासकारों की पंक्ति में अग्रणी हैं, जिनकी रचनाओं में कहीं वैयक्तिक तो कहीं पारिवारिक–सामाजिक विषमताओंका प्रखर विरोध मिलता है। आपकी रचनात्मक संवेदनशीलता स्त्रियों और मुस्लिम समाज को बहुत आत्मीयता से स्पर्श करती है और उनके सम्यक संसार को अपनी सृजनात्मकता के केंद्र में ले आती है। दक्षिण एशियाई फलक पर साहित्य के परिदृश्य में क़ुर्रतुल–ऐन हैदर, इस्मत चुग़ताई, अमृता प्रीतम जैसी दिग्गज पूर्ववर्ती लेखिकाओं से अलग, कृष्णा सोबती अपनी रचनाओं में एक विशिष्ट संवेदना, मुहावरे और बहुत स्थानिक पर्यावरण की ख़ुशबू सँजोए, हमें उद्वेलित, विचलित और रोमांचित करती हैं।

आपने अपनी अत्यंत चर्चित कई कृतियों से भारतीय साहित्य में श्रीवृद्धि की है, जिनमें कुछ प्रमुख हैं – *डार से बिछुरी, मित्रो मरजानी, सूरजमुखी अँधेरे के, ज़िंदगीनामा, यारों के यार, तिनपहाड़, दिलो–दानिश, हम हशमत* (उपन्यास), *बादलों के घेरे, मेरी माँ कहाँ, सिक्का बदल गया* (कहानी) आदि।

आपको अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से अलंकृत किया गया, जिनमें प्रमुख हैं – वर्ष 1980 में साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्मभूषण, साहित्य शिरोमणि सम्मान, व्यास सम्मान, शलाका सम्मान, मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार, साहित्य कला परिषद पुरस्कार, कथा चूड़ामणि पुरस्कार, हिंदी अकादमी पुरस्कार और ज्ञानपीठ पुरस्कार आदि। साहित्य अकादेमी ने कृष्णा सोबती को अपने सर्वोच्च सम्मान महत्तर सदस्यता से वर्ष 1996 में अलंकृत किया था।

कृष्णा सोबती ने अपने सुदीर्घ सृजनात्मक जीवन से भारतीय साहित्य को समृद्ध किया है। कृष्णा सोबती का आज 25 जनवरी 2019 को निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय साहित्य–संसार गहरे शोक में है और यह क्षति पूरी नहीं हो सकती। साहित्य अकादेमी परिवार कृष्णा सोबती की स्मृति को नमन करता है और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in